2018 में बीजरूप आत्माओं की दुनिया में परीक्षा का टाइम चल रहा है, इसलिए किन बातों में ध्यान देना जरूरी है?

****

ये कितना टाइम लगता है तुम बच्चों को तमोप्रधान से सतोप्रधान बनने में? हाँ? कब से कब तक? 77 सम्पूर्णता वर्ष बताया। 76 प्रत्यक्षता वर्ष बताया। सम्पूर्णता नहीं। सम्पूर्णता वर्ष जब पूरा हो जाए तब ही से गिनेंगे ना - कब आता है? हाँ, तो 77 के अन्त में कहेंगे सम्पूर्ण हुआ।

40 वर्ष कब पूरे हुए? 2018 में वो 40 वर्ष पूरे हो जाते हैं। है ना? जनवरी से। तब ही से वो एक आत्मा सम्पूर्ण बनी होगी या नहीं होगी? हाँ? और सम्पूर्ण बनेगी तो आत्मिक स्थिति की मस्ती में रहेगी कि दु:खी रहेगी? इसलिए ये जो संसार सागर है, विषय सागर कहो, इस विषय सागर के बीच में वो आत्मा कृष्ण बच्चे के रूप में (पीपल के पत्ते पर शास्त्रों में भी) दिखाई गई है। कृष्ण बच्चा बड़े आराम से आत्मिक स्मृति का अंगूठा चूसते हुए दिखाया गया है। गर्भ महल में या गर्भजेल में? गर्भ महल में दिखाया **गया है।**

जो बीजरूप आत्माओं की ब्राह्मणों की दुनिया है, वो आत्माए कुछ न कुछ तंग, दु:खी, परेशान हो सकती है। वो एक आत्मा मंसा से, वाचा से, कर्मेन्द्रियो से, ज्ञानेंद्रियों से दु:ख की महसूसता नहीं कर सकता ; क्योंकि बाबा का महावाक्य है - तुम बच्चे तमोप्रधान से सतोप्रधान बनने में 40 साल लेते हो। तो उनमें अव्वल नम्बर कोई तो एक बच्चा होगा।

ये (2018) एक साल का टाइम है, जो बताया कि - जो भी बीजरूप आत्माए हैं, रूद्रमाला के मणके हैं, उनको ये (एक श्रेष्ठ वर्ष बताया गया) टाइम पास करना है एक बात, और दूसरा परीक्षा पास होना है। जो भी अभी तक पढ़ाई पढ़ी है ईश्वरीय ज्ञान की, तो इस वर्ष में बीजरूप आत्माओं की दुनिया में परीक्षा हो रही है। तो ऐसा कर्म करना है, ऐसी प्रैक्टिकल में परीक्षा देना है, थ्योरी की भी परीक्षा देना है कि पास होके दिखाना।

तो पास भी होना है और फिर पास में पहुँचना भी है। कैसे पास पहुँचना? कन्धे पर चढ़ जाना? कन्धे पर चढ़ने वाली बात नही है। वो मन - बुद्धि की ऐसी स्टेज के समीप पहुँचना है, जैसी स्टेज उस अव्वल नम्बर हीरो पार्टधारी की बनती हैं। उस स्टेज में पहुँचना है। तो वो है पास होना। पास होना माने नजदीक आना। पास होना माने जो भी पढ़ाई पढ़ी है, वो परीक्षा पास करना। और पास करना माना ये वर्ष जो है वह बीजरूप आत्माओं का, खुशी खुशी टाइम पास करने का है।

तो इसमें बीजरूप आत्माओं की 5000 वर्ष की शूटिंग हो जाएगी । अगर खुशी खुशी पास किया, तो 5000 साल खुशी खुशी में रहेंगे। हाय- हाय किया तो दुखी होने की शूटिंग होजाएगी। "नष्टो मोहा स्मृति लब्धा" होने की परीक्षा है।

अगर मन में दुःख का संकल्प आया, संघर्ष आया, तो फिर वैसी शूटिंग हो जाने से ब्रॉड ड्रामा में वैसा ही माहौल बनेगा। इसलिए क्या करना है? ये जो (2018 श्रेष्ठ वर्ष का) टाइम है, बस ! मस्ती से पास करना है।

शिव बाबा का महावाक्य तारीख: [29- 03 - 2018]